वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 222 | बुधवार 7 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर दी बधाई

जयपुर. कासं। राज्यपाल कलराज मिश्र ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस (7 दिसम्बर) के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। राज्यपाल ने इस मौके पर सभी जवानों, पूर्व सैनिकों, उनके परिजनों और समस्त देश-प्रदेश वासियों को बधाई दी है। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि यह दिवस हमारे शूरवीरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते उनके कल्याण के लिए योगदान देने का अवसर है। उन्होंने सभी से सामर्थ्य अनुसार उदारतापूर्वक सशस्त्र सेना झण्डा दिवस कोष में अंशदान देने की अपील की है।

पूर्व सैनिकों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा: बोले...

जाति के आधार पर सैनिकों को मत बांटो, आरक्षण नियमों में करो संशोधन

जयपुर. कासं

राजस्थान में आरक्षण को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को जयपुर के शहीद स्मारक पर प्रदेशभर के पूर्व सैनिकों ने आरक्षण वर्गीकरण के खिलाफ धरना दिया। उन्होंने कहा कि 1988 से पूर्व सैनिकों के लिए बिना जातिगत आधार के आरक्षण की व्यवस्था लागू थी लेकिन राजस्थान सरकार ने OBC वर्ग की वजह से इसमें बदलाव कर दिया है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे में सरकार ने जल्द से जल्द आरक्षण नियमों में बदलाव कर पहले की तरह पूर्व सैनिकों के लिए 12.5% कोटा नहीं रखा। तो पूर्व सैनिक अपने हक के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। पूर्व सूबेदार दिनेश ने बताया की सैनिकों का कहना था कि पूर्व में जो कोटा था। उसे अब बदलकर सरकार सैनिक को अलग-अलग जातियों में बांटकर आरक्षण देने का प्रावधान कर रही है जो पूरी तरह गलत है। सेना की कोई जाति नहीं होती है। एक सैनिक के लिए सभी बराबर है। एक और राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकल रहे है। वहीं राजस्थान की सरकार जातियों के नाम पर प्रदेश को बात रही है। ऐसे में आरक्षण नियमों में हुए बदलाव के खिलाफ हम हर मोर्चे पर लड़ाई लड़ेंगे लेकिन सरकार के इस तुगलकी फरमान को नहीं मानेंगे। एयरफोर्स से रिटायर्ड संदीप चौधरी ने कहा कि कैबिनेट मीटिंग में निर्णय लिया गया कि भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण अब वर्गवार दिया जाएगा। जो कि भूतपूर्व सैनिकों के हितों के खिलाफ ही नहीं बल्कि राज्य सरकार के राजस्थान सिविल सेवा नियम 1988 एवं राज्य सरकार के 17 अप्रैल 2018 के पत्रों के विरूद्ध भी है।

OBC आरक्षण नियमों को लेकर युवाओं का था विरोध

राजस्थान में भर्ती नियमों में पूर्व सैनिकों को राज्य सरकार की नौकरियों में भर्ती के लिए उनकी वर्गवार कैटेगरी में से आरक्षण मिलता आ रहा था। इस व्यवस्था से पूर्व सैनिकों के अपनी कैटेगरी में समायोजित होने के कारण एससी, एसटी के पूर्व सैनिकों का चयन कम हो पा रहा है। इसके साथ ही पूर्व सैनिकों के लिए तय आरक्षण के बाद चयनित कैंडिडेट्स के अपने वर्ग में समायोजित हो जाने के कारण कुछ भर्तियों में ओबीसी वर्ग के कैंडिडेट्स के लिए पद नहीं बच रहे थे। जिससे OBC वर्ग के युवाओं ने आंदोलन शुरू कर दिया था। वहीं अब नियमों में संधोशन के बाद पूर्व सैनिकों ने सरकार के खिलाफ मोर्च खोल दिया है।

गैंगस्टर राजू ठेहट को मारी थीं 25 गोलियां

50 घंटे बाद परिवार वाले शव लेने को हुए तैयार, गांव में लगे अमर रहे के नारे

जयपुर/सीकर. कासं

राजस्थान के कुख्यात गैंगस्टर राजू ठेहट का शव करीब 50 घंटे बाद परिवार वाले लेने को तैयार हुए। इससे पहले सीकर के एसके हॉस्पिटल में करीब 3 घंटे पोस्टमॉर्टम चला। राजू ठेहट को 25 गोलियां लगी थीं। बदमाशों ने दोनों कंधे और सीने में गोली मारी थी। सोमवार दोपहर पौने 3 बजे परिवार वाले शव लेकर गांव रवाना हुए थे। गांव में शव पहुंचते ही भीड़ राजू ठेहट और RTG जिंदाबाद के नारे लगाने लगी। शाम करीब साढ़े पांच बजे अंतिम संस्कार हुआ। राजू ठेहट का शव एंबुलेंस से उसके पैतृक गांव ठेहट शाम करीब 4.30 बजे लाया गया। उसके अंतिम दर्शन करने रिश्तेदार, समाज और गांव के लोगों की भीड़ थी। घर से करीब 200 मीटर दूर खेत में ही अंतिम क्रिया की गई।

गैंगस्टर की पत्नी शव देखकर बेसुध

गैंगस्टर का शव देखते ही उसकी पत्नी विमला बेसुध हो गई। परिवार के लोगों ने उसे संभाला और शव के पास लेकर गए। ठेहट के दोनों बेटों चीकू और नमन ने अंतिम क्रिया की। ठेहट का भाई और भतीजे भी मौजूद हैं। इससे पहले एसके हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम के बाद गैंगस्टर राजू ठेहट का शव उसके भाई को सौंपा गया। गांव में भाजपा के किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हरिराम रनवा भी मौजूद हैं।

परिवार के साथ आने वाला था गांव

गांव में राजू ठेहट के पड़ोसी ने बताया कि वह चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था। उसका खेत में ही घर बना हुआ है। खेत के चारों ओर तारबंदी का काम भी करवा रहा था। चुनाव के दौरान उसका परिवार के साथ गांव में ही रहने का प्लान था।

खाली हाथ आया था, खाली हाथ जाएगा: आचार्य श्री सुनील सागर जी

आज आमेर के नेमीनाथ सांवला जी मंदिर के चैत्यालय के करेंगे दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य भगवन सुनील सागर गुरुदेव ससंघ राजस्थान की पावन धरा ऐतिहासिक नगरी आमेर में विराजमान है। जैनों की नगरी आमेर में जैन समाज के अनेक प्राचीनतम मंदिर है। आचार्य भगवान ससंघ इस पावन धरा के अंदर विराजित सभी जिनालय के दर्शन हेतु पधारे हैं। आचार्य भगवान ससंघ मंगलवार को आमेर किले के अवलोकन हेतु पधारे। आचार्य भगवान ने किले का निरीक्षण किया और अपनी मंगलमय वाणी में किले पर उपस्थित सभी पर्यटकों को संबोधित करते हुए कहा कि ₹कोई मुखलिश हो गए, कोई तबंगत हो । खाक में जब मिल गए, दोनों बराबर हो गए ।कोई राजा ,सेनापति ,सेठ, साहूकार हो गए।।₹ आज अपन सभी आमेर के किले पर है। इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। सब यह देखते होंगे कि राजा ने इतना बड़ा बनाया है। कितना सुंदर बनाया है ,और कैसे बनाया होगा। पर जब हमने देखा तब हिसाब लगाया कि इतने बड़े बड़े किले बनाने वाले नहीं रहे ।तो छोटी-छोटी झोपड़ी के लिए लड़ाई करने वालों का क्या ठिकाना रहा होगा ।युद्ध में लड़कर के किले जितने वाले तक नहीं रहे ।जिन्होंने अपने दम पर लड़कर सत्ता खड़ी की उनका आज थोड़ा सा नाम है और जिन्होंने सिर्फ कर्म ही किए आज उन्हें याद नहीं किया जाता है ।दोनों को भी यहां से जाना पड़ा। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि चोरी, चपाटी लड़ाई ,युद्ध व पाप करके कुछ साथ लेकर नहीं जाना। सभी धर्म के मार्ग पर चलकर आगे आगे बढ़े। धर्म का पालन करें ऐसी मंगल भावना। मंगलवार को आमेर किले पर 2 मुनिराज का केशलोच संपन्न हुआ। बुधवार, 7 दिसम्बर को आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ आमेर स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीनाथ सांवला जी के तलघर में स्थित चैत्यालय के दर्शन करेंगे। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल होंगे। आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का बुधवार को सायं 3.30 बजे ख्वास जी का रास्ता स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सोनियान में भव्य मंगल प्रवेश होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इससे पूर्व आचार्य श्री की प्रातः आहार चर्या आमेर के नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सांवला जी में होगी। सामायिक के बाद दोपहर 2.00 बजे आचार्य श्री ससंघ आमेर से पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के लिए मंगल विहार करेंगे।

मंगलवार को आमेर किले पर 2 मुनिराज का केशलोच संपन्न हुआ। बुधवार,7 दिसम्बर को आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ आमेर स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीनाथ सांवला जी के तलघर में स्थित चैत्यालय के दर्शन करेंगे।

वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी का किशनगढ के लिए हुआ मंगल विहार

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी को सजल अश्रुपूरित नेत्रों से जैन समाज ने विदाई दी। विगत वर्षा योग आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने श्री महावीरजी में किया। 142 दिन के लंबे प्रवास में वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने भगवान श्री महावीर स्वामी का महा मस्तकाभिषेक 24 वर्षों के बाद सानंद संपन्न कराया वहीं 24 फीट के नूतन खड़गासन श्री महावीर स्वामी भगवान का तथा चोबीसी भगवान तथा नवग्रह प्रतिमाओं तथा अन्य प्रतिमाओं का पंच कल्याणक आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के द्वारा सुर्य मंत्र देकर प्रतिष्ठित की। आज किशनगढ़ में माह जनवरी 2023 में होने वाली पंच कल्याणक प्रतिष्ठा हेतु आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने 32 साधुओं सहित विहार किया। इस अवसर पर किशनगढ़ से सैकड़ों समाज जन तथा भींडर तथा अन्य नगरों की समाज ने अपने नगरों में आगमन हेतु

निवेदन किया इसके पूर्व श्री महावीर जी में आचार्य श्री के प्रवास और चातुर्मास के दौरान पूर्ण सेवाभाव से संघ की सेवा करने वाले सेवाभावी कर्मठ गुरु भक्तो का सम्मान चातुर्मास कमेटी एवं किशनगढ़ समाज द्वारा भावभीना स्वागत के के शर्मा चिकित्सक, रौनक जैन फागी, चिन्मय इंदौर, विशाल इंदौर, महावीर जी पंडित जी जोबनेर, मुकेश पंडित जी, सोनू जैन महावीर जी, सुरेन्द्र जैन, अरविंद जैन, संजय छाबड़ा, नवीन जैन, हरिराम पुलिस विभाग, सुरक्षा गार्ड अनिल, हनुमान प्रसाद, दिनेश, राम पाटनी, अक्षय रोमी जैन, अरूण, धनसिंह चौकीदारका निस्वार्थ सेवा के लिए तिलक, माला, शाल, स्मृति चिन्ह से राजकुमार सेठी, राजकुमार कोठारी, नरेश पाटनी, अभिषेक संजय पापड़ी वाल, कैलाश पाटनी, आदि ने स्वागत किया। श्री महावीर जी में उपस्थित आचार्य श्री विमल सागर और अन्य

साधुगण आचार्य श्री के विहार में कई दूर तक साथ गए गौरतलब है कि आचार्य श्री भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक व पंचकल्याणक महोत्सव में हिस्सा लेने करीब 1500 किलोमीटर की दूरी तय कर 18 जुलाई को श्री महावीर जी पहुंचे थे। जिनके सानिध्य में 24 नवंबर से 4 दिसंबर के मध्य पंचकल्याणक ओर महामस्तकभिसेक महोत्सव सम्पन्न हुआ था। आचार्य श्री ससंघ के जुडे प्रमित जैन ने बताया कि आचार्य श्री ने किशनगढ के लिए विहार किया है आचार्य श्री ससंघ किशनगढ़ में जनवरी 2023 में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव में सनिध्य प्रदान करेंगे।

वेद ज्ञान

स्वयं को पहचानें...

यह मनुष्य के सामने आदिकाल से ही सबसे बड़ा प्रश्न रहा है कि मैं कौन हूं? बहुत से लोग आए और जीवन भोगकर चले गए, किंतु इस प्रश्न के प्रति बेपरवाह रहे। संसार के मायावी आकर्षण ने उन्हें इतना चकाचौंध कर दिया कि उन्हें कभी अपने निकट आने और स्वयं को समझने का समय ही नहीं मिला। वे भाग्यवान थे कि जिन्होंने अपने सच को पहचाना और इसे धारण कर मोक्ष को प्राप्त हुए। धर्म ग्रंथों और धर्म पुरुषों की वाणी में जीव को पंच तत्वों-धरती, जल, अग्नि, वायु और आकाश-से मिलकर बना हुआ माना गया है, जिसका अंत निश्चित है। ये पांचों तत्व सृष्टि में प्रचुरता में उपलब्ध हैं। जीव की मृत्यु के बाद ये पांचों तत्व अपने मूल में लौट जाते हैं। मनुष्य जब संसार में अपनी पहचान 'मैं' के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है, तो वह एक भ्रम में जी रहा होता है। इस 'मैं' में उसका कुछ भी नहीं होता है। सारा कुछ ग्रहण किया गया है और निश्चित रूप से लौट जाने वाला है। मनुष्य का 'मैं' वास्तव में स्थापित हो ही नहीं सकता। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसकी कोई ज्ञात अवधि नहीं है। पल भर में उसका विनाश हो सकता है। आज तक कोई जान नहीं सका है कि उसका जीवन कितने दिनों, कितने पलों का है, इस ज्ञान को दोहराने वालों की कमी नहीं है, किंतु इस पर विश्वास करने वालों का घोर अभाव है। हर कोई ऐसे व्यवहार कर रहा है कि मानों वह कोई विशिष्ट है और उसे सदियों तक जीवित रहना है। अपने बारे में जानना, अपनी रचना और अपने नाशवान होने के बारे में विश्वास करना है। यह विश्वास उसके आचरण को बदल देता है और उस परम शक्ति के निकट ले जाता है, जिसने उसे रचा है और जीवन दिया है। वास्तव में अपने आप में अपने जैसा कुछ भी नहीं है। यदि अपने जैसा कुछ भी शेष नहीं रहने वाला तो कैसा अहंकार? मनुष्य का अहंकार ही उसकी अधिकांश समस्याओं का मूल है और ईश्वर से दूर ले जाने वाला है। ईश्वर से दूर रहना जीवन के लक्ष्य से भटकना है। पंच तत्वों से बने तन के अंदर की चेतना अथवा आत्मा कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं परमात्मा का ही अंश है। मनुष्य योनि उस बिछड़ी हुई आत्मा का परम आत्मा से मेल का अवसर है, ताकि वह आवागमन के चक्र से मुक्त हो सके। 'मैं' के सच को धारण कर के ही 'मैं' से मुक्त हुआ जा सकता है और परमात्मा की अनुभूति की जा सकती है। उस अदृश्य शक्ति की अनुभूति के बाद व्यक्ति के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं और वह परमानंद की स्थिति को प्राप्त हो जाता है।

संपादकीय

सत्ता और तंत्र की जिम्मेदारियां दरकिनार

जब नियम-कायदों को ताक पर रख कर सत्ता और तंत्र की जिम्मेदारियों को दरकिनार करने की कोशिश की जाती है, तो उसके पीछे एक वजह भ्रष्ट तौर-तरीके से किसी को लाभ पहुंचाना होता है। मगर ऐसी कारगुजारियों का खमियाजा आखिरकार आम जनता को उठाना पड़ता है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या चौरसिया की गिरफ्तारी से एक बार फिर यह बहस छिड़ गई है कि नौकरशाही में काम करते हुए कोई अधिकारी कैसे सत्ता का केंद्र बन जाता है और अपने कामकाज से लेकर अन्य मामलों में उसे मनमानी करने में कोई हिचक नहीं होती। ऐसा शायद इसलिए होता है कि आमतौर पर ऐसे अधिकारियों को सत्ता का प्रत्यक्ष या परोक्ष संरक्षण प्राप्त होता है, जिसके चलते वे अपनी मंशा को बिना किसी हिचक के पूरी कर पाते हैं। विडंबना यह है कि जिन नेताओं को

जनता इस उम्मीद से सत्ता में भेजती है कि वे अपने पद का उपयोग आम लोगों के हित और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं पर काबू पाने में करेंगे, वही भ्रष्टाचारियों का बचाव करने की कोशिश करते दिखने लगते हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार में उप सचिव सौम्या चौरसिया को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कथित अवैध वसूली और जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। सवाल है कि इतने उच्च स्तर की किसी अधिकारी को अवैध वसूली या भ्रष्टाचार के अन्य मामलों में मनमानी करने की छूट कैसे मिल जाती है। ऐसी सुविधा उसे कौन मुहैया कराता है! हालांकि इस मामले में जांच प्रक्रिया पूरी और आरोप साबित होने के बाद ही उनकी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, लेकिन फिलहाल उपसचिव की गिरफ्तारी के जो आधार बताए गए हैं, वे निश्चित रूप से भारत में पहले से मौजूद भ्रष्टाचार की व्यापक समस्या की तहों में हर जगह मौजूद रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक जांच एजंसियां सक्रिय होकर जांच नहीं करतीं, तब तक ऐसे अपराध बेरोकटोक चलते रहते हैं। खासकर नौकरशाही में कुछ लोग राजनीतिक शह की वजह से बेरोकटोक भ्रष्टाचार से कमाई करते रहते हैं। छत्तीसगढ़ में ईडी की कानूनी कार्रवाई की जद में आई सौम्या चौरसिया के पद-कद का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्हें राज्य में न केवल सबसे ताकतवर अफसर माना जाता था, बल्कि आम धारणा थी कि वे मुख्यमंत्री की बहुत करीबी हैं। अफसोस की बात यह है कि कई मसलों पर सख्त मुख्यमंत्री माने जाने वाले भूपेश बघेल को वक्त पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना जरूरी नहीं लगा। हालांकि ऐसा नहीं है कि नौकरशाही में ऊंचे पद पर मौजूद किसी व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के आरोपों का यह कोई पहला मामला हो। कुछ समय पहले झारखंड में भी खान सचिव पूजा सिंघल को राज्य के खूंटी जिले में उनके उपायुक्त रहते राष्ट्रीय रोजगार गारंटी से संबंधित काम यानी मनरेगा के तहत किए गए करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सदाचार का पाठ

राजनीतिक दल एक-दूसरे को सदाचार का पाठ तो पढ़ाते रहते हैं, मगर खुद उस पर कितना अमल करते हैं, अगर यह देखना हो तो चुनावों के समय उनका आचरण देखना चाहिए। गुजरात विधानसभा और दिल्ली नगर निगम चुनाव का प्रचार थम गया, एक जगह मतदान हो गया, एक जगह आज समाप्त हो जाएगा। इस दौरान राजनीतिक दलों में एक-दूसरे को अपशब्द कहने, मतदाताओं को रिझाने के लिए बढ़-चढ़ कर मुफ्त बांटने की घोषणाएं करने की जैसे होड़ लगी हुई थी। हर चुनाव में राजनीतिक दल अपने प्रतिद्वंद्वियों पर झूठे-सच्चे आरोप लगाते, एक-दूसरे के स्याह पक्ष उजागर करते हैं। यहां तक तो ठीक, मगर चुनाव आचार संहिता की भी परवाह न की जाए, तो स्वाभाविक ही उस पर अंगुलियां उठती हैं। दिल्ली नगर निगम चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने योग प्रशिक्षकों को एक चुनावी सभा में चेक के जरिए उनका मानदेय बांटा, तो विपक्षी भाजपा हमलावर हो उठी। आपत्ति उचित थी। मगर अब तो प्रचार थम गया, मतदान भी हो गया, निर्वाचन आयोग इस मामले में जो भी फैसला करना होगा, बाद में करता रहेगा। केजरीवाल खुद निगम चुनाव में प्रत्याशी भी नहीं थे कि उनकी सदस्यता पर कोई खतरा पैदा हो। यही हाल गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान देखा गया। खूब अविवेकपूर्ण भाषा का प्रयोग किया गया। विचित्र है कि ऐसी भाषा का प्रयोग करने से न सिर्फ राजनेताओं में कोई हिचक नहीं दिखती, बल्कि प्रतिद्वंद्वी दल उसे अपने पक्ष में इस्तेमाल भी करने लगते हैं। शायद यह राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की सोची-समझी रणनीति भी हो सकती है कि इस तरह वे असल मुद्दों से आम लोगों का ध्यान भटकाने में कामयाब हो जाते हैं। स्थानीय चुनाव स्थानीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं, मगर वे अक्सर प्रचार अभियान से गायब हो जाते हैं। पर सवाल है कि चुनाव प्रचार के दौरान निर्वाचन आयोग कहां रहता है। क्या प्रचार की भाषा, राजनीतिक दलों के मतदाताओं को अनैतिक तरीके रिझाने के प्रयास उसकी आंखों से ओझल रहते हैं। या फिर अब इन सब बातों को आचार संहिता के दायरे बाहर कर दिया गया है। क्यों केजरीवाल जैसे शीर्ष पदों का निर्वाह कर रहे लोग खुलेआम आचार संहिता का उल्लंघन करते हैं और वह चुप्पी साधे रहता है। निर्वाचन आयोग की इसी शिथिलता का नतीजा है कि हर अगले चुनाव में राजनीतिक दल आचार संहिता की धज्जियां कुछ और ढिठाई के साथ उड़ाते नजर आते हैं। दरअसल, निर्वाचन आयोग की निष्ठा पर सवाल लंबे समय से उठते रहे हैं। इस बार गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित करने और आचार संहिता की अवधि कम रखने को लेकर भी वह सवालों के घेरे में रहा। उस पर आरोप हैं कि उसने प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों को ध्यान में रख कर तारीखों का ऐलान किया। फिर आचार संहिता की अवधि इतनी छोटी रखी कि अब तक किसी चुनाव में इतनी छोटी नहीं रखी गई। निर्वाचन आयोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सुरक्षा-संरक्षा का अहम तंत्र है। चुनावों के दौरान उसकी किसी भी प्रकार की पक्षपातपूर्ण या सोची-समझी चुप्पी लोकतंत्र को कमजोर करती है। चुनाव प्रचार के दौरान हर राजनीतिक दल के नेता नियम-कायदों की धज्जी उड़ाते देखे जाते हैं। बहुतों के खिलाफ शिकायतें भी आती हैं, मगर चुनाव संपन्न हो जाने के बाद निर्वाचन आयोग हाथ मलता रह जाता है।

तीर्थंकर भगवान का मोक्ष कल्याणक के साथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

इटखोरी. शाबाश इंडिया

श्री 1008 शीतलनाथ भगवान की जन्म स्थली इटखोरी में आज नवनिर्मित से दिगंबर जैन शांति मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ जैन संत मुनि श्री 108 विशल्य सागर जी मुनिराज के पावन सानिध्य में हुआ ।प्रातः मोक्ष कल्याणक उत्सव के अवसर पर अभिषेक शांतिधारा नित्य पूजन का कार्यक्रम हुआ। तत्पश्चात प्रभु का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। पूज्य मुनि श्री के मुख से मंगल प्रवचन में कहा की मोक्षकल्याणक महामहोत्सव मे आज भगवान शांतिनाथ का सुबह पावन बेला में भगवान को निर्वाण पद अर्थात्मोक्षपद को प्राप्त किया इसी बीच पू. गुरुदेव की मंगल वाणी सुनने का सुअवसर भी मिला पू. गुरुदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि तीर्थंकर की देशना से ही तीर्थंकर शासन जयवंत होता है। जीवन का अंतिम लक्ष्य ध्येय निर्वाण है निर्वाण के लिए निर्माण की आवश्यकता है। निर्वाण कैसे हो इसके लिए भी देशना की आवश्यकता होती है हम सुख चाहते है लेकिन अभी तक जो कर्मी के बाण क्रोध, मान, माया, लोभ काम बासनाओं के बाण नही निकलते हैं। तब तक निर्वाण नहीं होता है जीवन का अर्थ यह नही है कि अर्थ में लग जाओ जीवन का अर्थ यह है कि परमार्थ में लग जाओ ।सुख के बाद दुःख न हो वही सुख है जिस ज्ञान के बाद अज्ञानता हो वह ज्ञान है ।यह साधनों से नहीं साधना से मिलता है भवनों से नहीं भावना से और भावों से मिलता है ।अनुकूलता और प्रतिकूलता ये सुख के साधन नही है मन स्वास्थ है तो सभी सुखी है धन से इन्द्रियों के साधन जुटा सकते हो लेकिन सुख नहीं खरीद सकते हो ये सुविधाएँ सुख का कारण नहीं है साधना मे सुख का कारण है शिखर पर कलशा , ध्वजा भी चढ़ाया गया एवं भगवान की प्रतिमा नए मंदिर जी में विराजमान की गई। सभी भक्तगण को मिला। प्रातः 9:00 बजे अग्निकुमार देवों का आगमन विश्व शांति महायज्ञ मुनि श्री के सानिध्य में। शोभायात्रा के बाद मंदिर जी में प्रतिमा को विराजमान किया गया और मन्दिर जी के शिखर पर कलश ओर ध्वजारोहण की स्थापना की गई ।सभी भक्तों में एक उत्साह एक उमंग था जितने लोग भी वहां थे ध्वजारोहण कर्ता, भगवान के माता-पिता कुबेर महायज्ञनायक, यज्ञ नायक मुख्य कलश स्थापना कर्ता, ईशान,महेंद्र इन्द्र ने विधि विधान के साथ जयपुर से आये शिखर चन्द जैन ने कलश स्थापना ओर पूरे पंचकल्याणक को सफलता पूर्वक अंजाम दिया । आज श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर इटखोरी मुख्य नव निर्माण में सहयोग प्रदान करने वाले सभी महानुभाव पहुंचे तथा सभी का स्वागत अध्यक्ष कमल जैन जयपुर ने किया। सभी कार्यक्रम प्रतिष्ठचार्य अजित शास्त्री रायपुर,अभिषेक जैन कोडरमा, संघस्थ अलका दीदी,भारती दीदी, के साथ इटखोरी, जयपुर, कोडरमा, हजारीबाग,रांची,चतरा, चौपारण,रामगढ, गया जी, आदि शहरो से बहुत संख्या में भक्त गण शामिल हुवे ।जिसमे भदलपुर शीतलनाथ तीर्थ क्षेत्र के कार्याध्यक्ष छीत्तर मल पाटनी, महामंत्री सुरेश झांझरी,न्यास बोर्ड के अध्यक्ष तारा चंद जैन देवघर, निर्मल बिनायक, हजारीबाग, मेनका पाटोदी कोडरमा आदि आसपास क्षेत्र के कई पदाधिकारी इस कार्यक्रम मे शामिल हुवे। कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा ।

जर्मनी के संसदीय दल की विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात

जयपुर. शाबाश इंडिया। जर्मनी संसदीय दल की अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण एवं ऊर्जा नीति समिति के सदस्यों ने मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी से मुलाकात की। इस दल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी से पर्यावरण, पारिस्थितिकी तन्त्र, सौर ऊर्जा, वन एवं वन्यजीव से संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। अध्यक्ष डॉ. जोशी ने कहा की ये राजस्थान में पर्यावरण संरक्षण का समृद्ध इतिहास रहा है। आदिवासी जंगल से बेहद लगाव रखते हैं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष जागरूक होते हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी ने जर्मनी के इस दल को राजस्थान विधानसभा का साहित्य और जयपुर रजाई भेंट की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने जर्मनी के संसदीय दल के सभी प्रतिनिधियों का राजस्थान विधानसभा पहुंचने पर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर राजस्थान विधानसभा की पर्यावरण समिति के सदस्य श्री बाबूलाल खराडी, श्री हाकम अली खां, श्री खुशवीर सिंह, श्री राकेश पारीक, विधानसभा सचिव श्री महावीर प्रसाद शर्मा और राजस्थान सरकार के पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिखर अग्रवाल भी उपस्थित थे। जर्मन समिति की चेयरपर्सन श्रीमती लीसा बादुम ने भी जर्मनी में वन एवं पर्यावरण क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। दल के सदस्य डॉ. कर्मबा डियाबी, श्री मनफ्रेड ग्रुंड, श्री ओल्फ इन डेर बीक, श्री स्टेफन केउटर और श्री थॉमस ब्रुन्स भी बैठक में मौजूद थे।

वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज का मंगल प्रवेश गंगापुर सिटी में 9 दिसंबर को

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी 24 वर्ष बाद हुए भगवान महावीर मस्तकाभिषेक महा महोत्सव एवं पंचकल्याणक महोत्सव को सानिध्य प्रदान करने के बाद राजकीय अतिथि वात्सल्य वारिधि 108 आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज का ससंघ मंगल विहार हुआ। गंगापुर सिटी में 9 दिसंबर को भव्य मंगल प्रवेश होगा।

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन साह ने बताया कि आज श्री महावीर जी से आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का ससंघ मंगल विहार श्री महावीरजी शाम 3:00 बजे प्रारंभ हुआ। मंगल विहार से पूर्व संत भवन में उपस्थित जैन बंधुओं ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल व अष्टद्रव्य से पूजा अर्चना की।

दिगंबर जैन समाज गंगापुर सिटी की ओर से भी आचार्य श्री को गंगापुर सिटी में आगमन के लिए श्रीफल चढ़ाया। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज एवं पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर की ओर से नरेंद्र जैन नृपत्या ने आचार्य श्री से गंगापुर आगमन एवं पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में नवनिर्मित संत भवन का विधिवत लोकार्पण कार्यक्रम मे सानिध्य प्रदान करने हेतु निवेदन किया। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर एमपी जैन, विमल कुमार जैन, प्रवीण गंगवाल, मनोज शाह, महेंद्र जैन वर्धमान स्कूल, राजेंद्र गगंवाल, पिंकी जैन, अंजना जैन, प्रीति जैन, प्रेमलता जैन, रमेश चंद जैन, पंकज जैन पांड्या, लोकेश,पारस जैन, मनोज जैन साह सहित दर्जनों जैन बंधु उपस्थित रहे। इस दौरान गंगापुर सिटी में आचार्य श्री के सानिध्य में होने वाले कार्यक्रम का पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी कमेटी के पदाधिकारी चातुर्मास समिति के पदाधिकारी किशनगढ़ चतुर्मास समिति के पदाधिकारी दिगंबर जैन समाज के सैकड़ों की संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अभी तक जीव कहाँ था : आर्यिका श्री 105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। स्थानीय श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में विराजमान 105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि नित्य निगोद में अनंत जीव पड़े हुए हैं, जो समय पाकर वहां से बाहर निकलते हैं। फिर अनंत काल तक एकेंद्रीय की पर्याय में जीवन जीते हैं। पश्चात दो इंद्रिय, तीन इंद्रिय, चार इंद्रिय की पर्याय में असखायंत काल तक भ्रमण करते हैं। उस मनुष्य पर्याय को प्राप्त करता है। सत्संगति जैन कुल अच्छी बुद्धि देव शास्त्र गुरु का समागम मिलना और धर्म बुद्धि का मिलना यह सब चिंतामणि रत्न मिलने के समान कहा है। इस तरह अनंत काल से हम संसार का परिभ्रमण कर रहे थे और अनंत तरह के दुखो को भोग रहे थे। पंचपरावर्तन कर संसार में भ्रमण कर रहे थे।

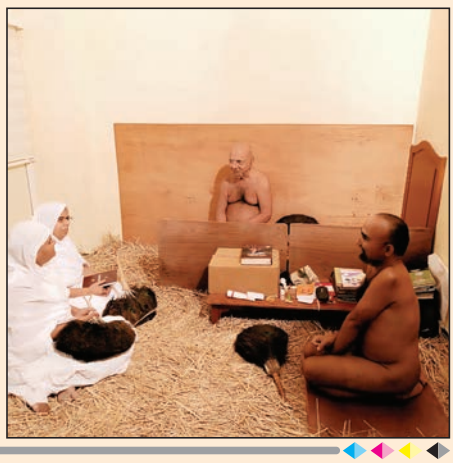

भगवान महावीर फिचर फिल्म टीम का हुआ सम्मान

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

प्रबंध कार्यकारिणी श्री महावीरजी द्वारा श्री महावीरजी पर आधारित फिचर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। निर्माता जेके जैन कालाडेरा ने बताया कि फिचर फिल्म के प्रदर्शन से पूर्व कमेटी द्वारा निमार्ता निदेशक वह पूरी टीम का सम्मान किया गया ।प्रबंध कार्यकारिणी समिति के सदस्य फिचर फिल्म के प्रदर्शन में मौजूद रहे। फिचर फिल्म के प्रीमियर शो के दौरान दर्शकों से पंडाल पूरा भरा हआ था। सभी ने फिचर फिल्म को सराहा।

विश्व शांति के लिए शांतिधारा की

भगवान चंद्रप्रभु को श्रीफल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया

टोंक. शाबाश इंडिया

मंगलवार मार्ग शीर्ष शुक्ला चतुर्दशी के शुभ दिन श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर तेरापंथीयान पुरानी टोंक में विश्व शांति हेतु चंद्रप्रभु भगवान एवं शांतिनाथ भगवान की वृहद शांति धारा कर श्रीफल एवं अर्ध्य समर्पित किए गए। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि मंगलवार को प्रातः क्षीरसागर से जल लाकर चंद्रप्रभु भगवान, शांतिनाथ भगवान एवं पारसनाथ भगवान की चेतन, कमल, शेखर, रोहित, मनीश, अशोक, पारस आदि ने रिद्धि मंत्रों के साथ रजत झारी से वृहद शांति धारा एवं अभिषेक किया। शांति धारा के पुण्यार्जक चेतन कुमार, सुशील कुमार, चंद्रशेखर बिलासपुरिया परिवार रहे। शांति धारा से प्राप्त गंधोदक को श्रद्धालुओं ने मस्तक पर लगाकर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात चंद्रप्रभु भगवान शांतिनाथ भगवान पार्श्वनाथ भगवान नव देवता एवं नित्य नियम पूजा कर श्री जी को अर्ध्य एवं श्रीफल समर्पित किए इस अवसर पर राहुल अनोपड़ा, सुशील कुमार, चमेली, संजू, सुशीला, गरिमा, सुमन, रतन देवी, प्रेमलता, मधु आदि मौजूद थे। आगामी 19 दिसंबर को चंद्रप्रभु जयंती धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई जाने के संबंध में भगवान चंद्रप्रभु के श्री चरणों में मंदिर समिति के अध्यक्ष देवराज काला, मंत्री चेतन बिलासपुरिया, कमल कुमार, शिखर चंद, राजेश अरिहंत आदि ने श्रीफल समर्पित कर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया ।

स्फटिक मणि प्रतिमा की वेदी को स्वर्ण सज्जित किया जाएगा

इंदौर. शाबाश इंडिया

श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ने मंगलवार को समोसरण मंदिर में चातुर्मास की अंतिम देशना देते हुए कहा कि समोसरण मंदिर में विराजित विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक मणि की प्रतिमा की स्थापना किसी सामान्य जीव की प्रतिमा की स्थापना नहीं, जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर शांतिनाथ भगवान की प्रतिमा की स्थापना है जो युगों युगों तक जिन शासन की प्रभावना करेगी और भक्तों के हृदय में सुख शांति की धारा बहाएगी। मुनि श्री ने प्रवचन देते हुए भक्तों के समक्ष अपने मन की भावना उद्घाटित करते हुए कहा कि तीन लोक के नाथ भगवान शांतिनाथ को आपने जिस वेदी पर विराजमान किया है वह मार्बल की नहीं स्वर्ण की होना चाहिए थी इतना सुनते ही उपस्थित कुछ महिला पुरुषों ने अपने स्वर्ण आभूषण(अंगूठी, चैन, चूड़ियां, हार और कानों के कुंडल आदि) उतारकर अधिकृत व्यक्ति को दे दिए, कुछ ने 5 ग्राम से लेकर 200 ग्राम सोना अथवा उतने मूल्य की राशि देने की स्वीकृति प्रदान की। इनमें पंडित रतन लाल ज शास्त्री, ब्रह्मचारिणी लीला बहन, आजाद अमित जैन, मनोज बाकलीवाल, हंसमुख गांधी, अशोक खासगीवाला, अतिशय जैन एवं श्रीमती मनोरमा डॉक्टर जैनेंद्र जैन आदि प्रमुख हैं।

श्री संजीव जी - रश्मी जी जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(07 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

अन्तर्मना आचार्य
श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

आपकी नियत तय करती है कि आपकी नियति कैसी है

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

हर व्यक्ति अपनी उन्नति के लिये प्रयास रत रहता है, और वह अपनी बुद्धि-विवेक का सही उपयोग करे तो उन्नति के शिखर पर पहुंच सकता है। संसार में ऐसे अनेक दिग्गज है जिन्होंने अपने परिश्रम-पुरूषार्थ के बल से रोज नये कीर्तिमान स्थापित कर घर, परिवार, समाज और देश में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। ध्यान रखना - सबमें अपनी योग्यता, क्षमताएं और गुणों से लबालब भरे हैं। इसी योग्यतानुसार ही हम अपनी प्रतिभा को निखारते हैं। हम-तब कुछ नहीं कर पाते है जब दूसरों से अपनी तुलनात्मक अध्ययन की प्रतिस्पर्धा में दौड़ना शुरू कर देते हैं। जिस प्रकार हाथ की अंगुलियाँ आकार-प्रकार में भिन्न-भिन्न होती है, उसी प्रकार एक ही घर, परिवार, समाज, साधु संघो में सबकी अपनी अपनी प्रतिभा में भिन्नता होती है। जो जिस कला में निपुण हो, उसे उसी दिशा में दम लगाकर दौड़ना चाहिए। सौ बात की एक बात गुलाब का पौधा कभी पीपल नहीं बन सकता और पीपल का वृक्ष कभी गुलाब का पौधा नहीं बन सकता।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विद्या नृत्यांजली-अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता का हुआ सेमीफाइनल राउण्ड सम्पन्न

सूरत / जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज,मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज,ऐलक श्री 105 धैर्य सागर जी महाराज,क्षुल्लक श्री 105 गम्भीर सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से एवं श्री दिगम्बर जैन खण्डेलवाल समाज,सूरत द्वारा आयोजित ''विद्या नृत्यांजली-अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता कार्यक्रम'' के सेमीफाइनल राउण्ड का समापन किया गया।

अध्यक्ष राजीव भूँच व राजलक्ष्मी भूँच ने बताया कि इस प्रतियोगिता का शुभारंभ अक्टूबर माह में किया गया था जिसमे सम्पूर्ण देश से 500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

जिसके अंतर्गत प्रथम क्वाटर राउण्ड व सेमीफाइनल राउण्ड ऑनलाइन किये गए जिसमे सभी प्रतिभागियों ने अपने घर पर ही आचार्य श्री की भक्ति को नृत्य के रूप में सभी प्रतिभागियों ने वीडियो के माध्यम से दशार्या व प्रतियोगिता के प्रथम क्वाटर फाइनल राउण्ड का समापन आचार्य पदारोहण दिवस को 22 नवम्बर को किया गया जिसके अंतर्गत 100 प्रतिभागी सेमी फाइनल राउण्ड में चयनित किये गए। महामन्त्री संजय गदिया ने बताया कि प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को आचार्य श्री के सार्वभौमिक सिद्धान्तों पर आधारित गाने दिए जिसका गीत संगीत संयोजन अवशेष जैन,जबलपुर द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम की समन्वयक श्रीमति शीला डोडिया व संयोजक श्रीमति शालिनी बाकलीवाल के नेतृत्व में सम्पूर्ण देश मे 50 संयोजकों की एक टीम बनाई गई, इस प्रतियोगिता के माध्यम से हमने जैन समाज के उभरते हुए युवा कलाकारों को एक मंच प्रदान करने की कोशिश कि जिससे जैन समाज का टैलेन्ट समाज के सामने आ सके। सेमी फाइनल राउण्ड से फाइनल राउण्ड में निर्णायक मंडल के रूप में श्रीमति तृप्ति जैन (ग्वालियर) श्रीमति शैफाली जैन (जयपुर) श्रीमति तृप्ति जैन(कोटा) ने अपनी पारखी नजर व सूझभुझ से टॉप 10 प्रतिभागियों का चयन किया जिसका फाइनल राउण्ड 11 दिसम्बर को सूरत शहर में किया जाएगा एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम का निर्देशन युवा निर्देशक अजय जैन मोहनबाड़ी द्वारा किया गया। निर्देशक अजय जैन मोहनबाड़ी के अनुसार फाइनल राउण्ड में टॉप 10 प्रतिभागियों के रूप में खुशी जैन भिलाई, अर्पिता जैन मुंबई, नैनिका कासलीवाल भिलाई,निसरगा दयानय्यर हुबली, श्रद्धा भारती जैन देहरादून, निधि रावसाहेब अलसे कोल्हापुर, परिमा जैन सूरत, तनिष्क जैन सूरत, सलौनी जैन हजारीबाग, वासुपूज्य जैन इन्दोर ने बाजी मारी व इनके अतिरिक्त सम्पूर्ण देश से 40 सांत्वना पुरस्कार विजेताओं को चुना गया। फिनाले राउण्ड में सभी टॉप 10 प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला होने वाला है ।

अंबेडकर भवन परिसर में डॉ. बी आर अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने मंगलवार को अंबेडकर भवन स्थित परिसर में लगी संविधान निमार्ता डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की प्रतिमा का उनके परिनिर्वाण दिवस पर वर्चुअल अनावरण किया। इस मौके पर शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने श्री जूली की वर्चुअल उपस्थिति में प्रतिमा का अनावरण किया और पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उनके दिखाये मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव श्री हरि मोहन मीना ने भी बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया । इस अवसर पर विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।